ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५१
दिनांक-मंगलवार, १७ जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.६ एवं २७.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ सुबह में एवं दोपहर में ६६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.७ एवं दोपहर में ३३.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१८ से २२ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८ से २२ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी भागों के जिलों में मानसून के कमजोर बने रहने का अनुमान है, हालाकि इन जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वानुमान की अवधि में १६, २० एवं २१ जुलाई को पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। इस स्थिति में जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है एवं विचड़ा तैयार हो, वें नीची जमीन में धान की रोपनी करें। अभी ऊचांस जमीन में धान की रोपनी नहीं करें।
- मिश्रीकन्द की बुआई करें। बुआई के लिए राजेन्द्र मिश्रीकन्द १, राजेन्द्र मिश्रीकन्द २ किस्में अनुशसित है। बीजदर १५ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २०० क्विंटल कम्पोस्ट, ४० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ८० किलो पोटाश का व्यवहार करें।
- प्याज की पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। पहले से तैयाार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें।
- खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है। मिट्टी जॉच के बाद संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करें, विशेष तौर पर पोटाश की मात्रा बढ़ायें। ताकि फसल की सुखें से लड़ने की क्षमता बढ़ सके।
- इस मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी, और खीरा में फल मक्खीयों से होने वाले नुकसान में बढ़ोत्तरी हो जाती है। सर्वप्रथम फल मक्खी से क्षतिग्रस्त सब्जियो की तुराई कर गड्ढे में दवा दे। इससे बचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३५.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.५ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २७.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी